हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 5 मई 2026

11 कर्मचारियों का विरोधः मांगें पूरी होने तक हड़ताल पर...

12 तेज आंधी के साथ बारिश व ओलावृष्टि से तापमान गिरा

जिले के 14 सरकारी कॉलेजों में कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय के साथ कुछ संस्थानों में कंप्यूटर व व्यावसायिक कोर्स भी संचालित

12वीं का परीक्षा परिणाम अभी घोषित नहीं कॉलेज एडमिशन के लिए 7 मई से शेडयूल

नितेश कुमार ⏭ नारनौल

हरियाणा उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक (यूजी) कक्षाओं में दाखिले के लिए पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। बता दें कि 12वीं का परिणाम लंबित होने के बावजूद प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित तिथियों के अनुसार ही चलेगी। कॉलेज दाखिला प्रक्रिया सात मई से शुरू होकर 31 मई तक चलेगी। पहली मेरिट लिस्ट 10 जून को और अंतिम रूप 11 जून को जारी किया जाएगा। इसके बाद दूसरी मेरिट लिस्ट तथा अंत में फिजिकल काउंसलिंग के जरिए बची सीटों पर दाखिले पूरे किए जाएंगे।

शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक (यूजी) कक्षाओं में दाखिले की प्रक्रिया सात मई से शुरू करने का निर्णय लिया है। विद्यार्थी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। परिणाम घोषित होने के बाद मेरिट सूची जारी की जाएगी। जिले में सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों की बात करें, तो महेंद्रगढ़ में करीब 14 सरकारी कॉलेज संचालित हैं, जिनमें 10 हजार 620 की संख्या में विभिन्न कोर्स की सीटें उपलब्ध हैं। इन कॉलेजों में कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय के साथ साथ कुछ संस्थानों में कंप्यूटर व व्यावसायिक कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार दाखिला पूरी तरह मेरिट के आधार पर किया जाएगा और छात्रों को समय रहते आवेदन करने की सलाह दी गई है।

नारनौल। राजकीय पीजी कॉलेज। फोटो : हरिभूमि

स्टाफ की कमी बनी चुनौती

जिले के कई कॉलेजों में शिक्षकों व प्राचार्यों के पद खाली होने से शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसके बावजूद कम फीस और बेहतर सुविधाओं के कारण सरकारी कॉलेज छात्रों की पहली पसंद बने हुए हैं। 12वीं का परिणाम घोषित होने से पहले ही एडमिशन प्रक्रिया शुरू होने से छात्रों में उत्सुकता बढ़ गई है। जिले के कॉलेजों में पर्याप्त सीटें उपलब्ध हैं, जिससे अधिकांश विद्यार्थियों को दाखिला मिलने की संभावना है।

कहां कितनी सीटें

कॉलेज	सीटें
पीजी कॉलेज नारनौल	1540
महिला कॉलेज नारनौल	1200
राजकीय कॉलेज अटेली	780
राजकीय कॉलेज छिलरो	320
राजकीय कॉलेज कनीना	1200
राजकीय कॉलेज महेंद्रगढ़	1280
राजकीय कॉलेज नांगल चौधरी	560
राजकीय कॉलेज सतनाली	700
राजकीय कॉलेज सिहमा	240
महिला कॉलेज उन्हानी	360
महिला कॉलेज अटेली	500
महिला कॉलेज महेंद्रगढ़	1080
महिला कॉलेज नांगल चौधरी	460
कृष्ण नगर कॉलेज	400
कुल	10420

करना होगा रिजल्ट अपडेट

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं की कॉपियों की जांच तीन अप्रैल से 28 अप्रैल तक हुई है। रिजल्ट मई के दूसरे हफ्ते यानी 15 मई के आसपास जारी होने की संभावना है। ऐसे में विद्यार्थियों की जानकारी के लिए बता दें कि 12वीं की परीक्षा दे चुके छात्र भी सात मई से फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद उन विद्यार्थियों को रिजल्ट आने पर मार्क्स अपडेट करने होंगे।

खबर संक्षेप

प्री लोक अदालत का आयोजन आज

नारनौल। राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से नौ मई को सुबह 10 बजे सभी प्रकार के मामलों के निपटारों के लिए कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व पांच मई को दोपहर 1:30 बजे मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल मामलों के निपटारे के लिए प्री लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जांगिड़ समाज संस्था के चुनाव 10 को

नांगल चौधरी। जांगिड़ समाज की पंजीकृत संस्था के प्रधान पद पर चुनाव 10 मई को होगा। जिसमें सभी सदस्यों को मतदान करने के लिए सूचना भेजी गई है। सचिव महावीर प्रसाद ने बताया कि 10 मई को नामंकन करने की अंतिम निर्धारित की गई है। वहीं 17 मई को ब्लॉक प्रधान के लिए मतदान होगा, जिसमें सभी सदस्य मत के लिए अधिकृत रहेंगे।

वरिष्ठ नागरिक संगठन की बैठक 17 को

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक 17 मई सुबह 10 बजे किला रोड स्थित संगठन के कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में होगी। जिसकी अध्यक्षता संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा करेंगे। जिसमें वरिष्ठ नागरिकों व शहर की ज्वलंत समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीतिः डीसी

नारनौल। हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिले में किसी भी सूरत में अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह बात उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने सोमवार को लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में आयोजित जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक में कही। बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री खुद खनन मामलों की निरंतर फीडबैक ले रहे हैं। सरकार के निर्देश अनुसार प्रशासन इस विषय पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहा है। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम अनिरुद्ध यादव आदि मौजूद थे।

सिसोठ में हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

महेंद्रगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कपास फसल में गुलाबी सुंडी के प्रकोप के बचाव पर उचित प्रबंधन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण गांव सिसोठ में आयोजित किया गया। इस दौरान केंद्र के संयोजक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सत्यजीत ने किसानों को केंद्र द्वारा चलाई जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। केंद्र के पौध रोग वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र यादव ने कपास फसल में गुलाबी सुंडी के के प्रकोप से बचने के लिए उनके उचित प्रबंध तथा अन्य खरीफ फसलों जैसे गवार, बाजरा, मूंग में बीज उपचार के बारे में जानकारी दी, जिससे फसलों को भूमि जनित रोगों से बचाव हो जाता है।

सचिवालय में लोगों को एक ही छत नीचे मिलेंगी प्रशासनिक सुविधाएं

जैनपुर पंचायत का मिला प्रस्ताव, सचिवालय निर्माण की प्रक्रिया को मिली रफ्तार

- डीसी ने जमीन का किया अवलोकन
- विधानसभा में मुद्दा उछलने पर जमीन सर्च करने में जुटा जिला प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

जैनपुर ग्राम पंचायत ने प्रशासन को प्रस्ताव भेजकर सचिवालय निर्माण के लिए जमीन देने की पेशकश की है। इसके बाद उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने जमीन का निरीक्षण किया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में रिकार्ड का अवलोकन किया तथा कनेक्टिविटी पर विचार विमर्श किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जमीन को सचिवालय निर्माण के लिए उपयुक्त होने की पुष्टि की है।

आपको बता दें कि 21 जनवरी 2013 में नांगल चौधरी को तहसील का दर्जा मिला है। इसके बाद सरकार ने उपमंडल बनाकर एसडीएम की नियुक्ति कर दी। जल्द ही डीएसपी व कोर्ट स्थापित होने की उम्मीद है, लेकिन अधिकारियों को बैठने के लिए कार्यालय तक उपलब्ध नहीं। एसडीएम व तहसील कार्यालय को दमकल विभाग के भवन में स्थापित किया गया है। शहर से करीब तीन किलोमीटर दूर कार्यालय में लोगों को यातायात समस्या का सामना करना पड़ रहा है। समाधान के लिए जैनपुर पंचायत ने प्रशासन को प्रस्ताव पारित करके निःशुल्क जमीन मुहैया कराने का दावा किया है। जिस पर सचिवालय निर्माण होने के बाद लोगों को एक ही छत के नीचे प्रशासनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। बीते महीने नपा प्रशासन ने नोलाजा के पास जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव पारित किया गया था। एसडीएम उमेद सिंह को बनिहाड़ी के पास भी जमीन अधिग्रहण करने का प्रपोजल मिला है। रिपोर्ट मिलने पर जिला उपायुक्त ने जैनपुर पंचायत की जमीन का निरीक्षण किया है। सड़क के नजदीक और शहर से सटी होने के कारण उन्होंने जमीन को उपयुक्त करार दिया। उन्होंने कहा कि यहां तक पहुंचने के लिए लोगों को लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा तथा बाईपास सुविधा के चलते यातायात जाम की समस्या नहीं रहेगी। इसके बाद उन्होंने राजस्व विभाग से जमीन का रिकार्ड तलब किया तथा बारीकी से अध्यन किया। इस दौरान एसडीएम उमेद सिंह ने बनिहाड़ी गांव के पास भी जमीनी प्रस्ताव मिलने से अवगत कराया, लेकिन डीसी ने उक्त प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया, तर्क दिया कि सचिवालय के सभी मानकों पर यह साइट उचित साबित हो रही है। जल्द ही रिपोर्ट तैयार करके उच्चाधिकारियों को भेजने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

नांगल चौधरी। गांव जैनपुर में जमीन का अवलोकन करने पहुंची डीसी अनुपमा अंजलि। फोटो : हरिभूमि

विधानसभा में सचिवालय निर्माण की उठ चुकी मांग

नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी ने बीते विधानसभा सत्र में सचिवालय निर्माण अटकने पर चिंता जताई थी। तर्क दिया कि छोटे छोटे कामों के लिए महिला व छात्राओं को तीन किलोमीटर लंबा सफर करना पड़ता है, बीच में शराब का ठेका तथा सुनसान जगह होने के कारण अपराधिक वारदात का अंदेशा बना रहता है। विधायक के जवाब में सरकार के मंत्री ने जल्द ही जमीन को चिन्हित करके सचिवालय निर्माण का आश्वासन दिया था।

14 एकड़ जमीन मुफ्त में देने को तैयार जैनपुर पंचायत

जैनपुर के सरपंच देशराज सिराधना ने बताया कि सचिवालय के अभाव में आमजन परेशान हैं। लोगों की सुविधा के लिए पंचायत ने करीब 14 एकड़ जमीन मुफ्त में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव पारित करके प्रशासन को भेजा है। उन्होंने बताया कि निर्धारित जमीन शहर के साथ लगी होने से प्रशासनिक गतिविधियां सुचारू रूप से क्रियांवित हो सकेंगी।

महेंद्रगढ़। वह गली जिसमें कार्य अधूरा छोड़ा गया। फोटो : हरिभूमि

पांच माह पहले तोड़ी सड़क, अब तक भूला विभाग, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर के वार्ड नंबर पांच मोहल्ला कानोडिया में प्रशासन की सुस्ती आमजनमानस के लिए जी का जंजाल बन गई है। सीवर लाइन डालने के नाम पर करीब पांच महीने पहले गली की सड़क को तोड़ा गया। अब आलम यह है कि पूरी गली नालों के गंदे पानी और गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। इस गली की बदहाली का सबसे ज्यादा असर धार्मिक आस्था पर पड़ रहा है। इस मार्ग पर आगे भगवान शनिदेव का प्राचीन मंदिर स्थित है, जहां हर शनिवार को महेंद्रगढ़ और आसपास के इलाकों से सैकड़ों श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचते हैं। गंदे पानी और कीचड़ से भरी इस गली से गुजरना श्रद्धालुओं के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। श्रद्धालुओं का कहना है कि पवित्र मन से मंदिर जाते समय गंदे पानी के छींटे पड़ने से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं।

बीमारियों को न्योता दे रहा गंदा पानी

गली में जगह-जगह जमा सीवर का पानी और कचरा न केवल आवागमन बाधित कर रहा है, बल्कि भीषण संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि काम बंद होने के बाद से कोई भी अधिकारी या वार्ड पार्षद इस गली की सुध लेने तक नहीं आया। छोटे बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना दूभर हो गया है, क्योंकि आए दिन कोई न कोई इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहा है।

जल्द समाधान की मांग

मोहल्ला कानोडिया के निवासियों ने संबंधित विभाग और जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि मंदिर मार्ग की महत्ता को देखते हुए इस गली का निर्माण युद्ध स्तर पर शुरू करके पूरा किया जाए। निवासियों ने बताया कि आने वाली 15-16 में शनिदेव की जयंती पर इस मार्ग से लोगों का आना जाना लगा रहेगा।

शिक्षा विभाग में पदोन्नति, अशोक कुमार बने डीईईओ

जिले के शिक्षा प्रशासन को मजबूती मिलने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की गई है। राज्यपाल की स्वीकृति से डिप्टी जिला शिक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत अधिकारियों को उच्च पद पर पदोन्नत किया गया है। जारी आदेश के तहत महेंद्रगढ़ में कार्यरत डिप्टी जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार को पदोन्नत कर हरियाणा शिक्षा सेवा अधिकारी बनाया गया है।

पदोन्नति के बाद उनकी नियुक्ति जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय महेंद्रगढ़ (डीईईओ) में रिक्त पद के विरुद्ध की गई है। शिक्षा विभाग की ओर से यह पदोन्नति हरियाणा राज्य शिक्षा नियम 1998 तथा संशोधित वेतनमान 2016 के प्रावधानों के अनुसार लागू की गई है। शिक्षा विभाग के इस निर्णय से जिले के शिक्षा प्रशासन को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। विभागीय अधिकारियों व शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने अशोक कुमार को पदोन्नति पर बधाई दी है।

बाइक के सामने नीलगाय आने से मां की मौत, बेटा मामूली जख्मी

महेंद्रगढ़। बास खुडाना के पास बाइक के सामने अचानक नीलगाय आने से बाइक सवार बेटा मामूली रूप से जख्मी हो गया, वहीं मां की सिर में लगी चोटों के कारण मौत हो गई। पीड़ित सत्यवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह आकोदा का रहने वाला है। आज सवेरे वह और उसकी 78 वर्षीय मां फूलवती पत्नी चंद्रभान वासी आकोदा मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तब मां फूलवती बाइक पर पीछे बैठी थी। जब वे गांव से बास खुडाना से थोड़ा आगे पहुंचे तो अचानक सड़क पर एक नीलगाय आ गई, जिसको बचाने के चक्कर में बाइक असंतुलित होकर गिर गई, जिसमें उसे मामूली चोटें लगी, जबकि मां को सिर में गहरी चोट लगी। प्राइवेट साधन से उन्हें सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

रावता की ढाणी में पेयजल और बिजली की समस्या

प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रावता की ढाणी में पेयजल व बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। सोमवार को ग्रामीणों ने एकत्रित होकर प्रदर्शन किया तथा प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बनी पेयजल टंकियों में पानी नहीं है, जिससे उन्हें पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। वहीं बिजली की समस्या भी लगातार बनी हुई है, जिसके कारण हालात और खराब हो गए हैं।

ग्रामीण ओमकिशन, कृष्ण सिंह, विनोद कुमार, शीशपाल सिंह, बिमलेश देवी, राजेश देवी, विजयपाल सिंह आदि ने बताया कि वे कई बार बिजली निगम से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा।

ग्रामीणों का कहना है कि जब भी लाइनमैन को फोन किया जाता है, वह कभी खंभे गिरने तो कभी ऊपर से सप्लाई बंद होने का हवाला देकर टाल देता है। कई बार तो फोन भी नहीं उठाया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरपंच से पानी की समस्या को लेकर बात करने पर जवाब मिलता है कि बिजली लाइन ठीक होगी, तभी पानी की सप्लाई हो पाएगी। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सरपंच अपने कुएं पर सोलर सिस्टम लगवा रहा है।

वहीं सरपंच रणसिंह ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि दो दिन पहले ही गांव की टंकियों में पानी डलवाया गया है व बिजली समस्या के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि समस्या के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं।

जनहित में उठी आवाजः रक्तदाताओं को विशेष सुविधाएं देने की मांग

रक्तवीरों को आयुष्मान योजना, रक्तदान करने के लिए लिए रोडवेज बस फ्री, 20 लाख जीवन बीमा करने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा ने रक्तवीरों के लिए नई पहल की शुरूआत करते हुए सरकार से मांग की है। इन दोनों संस्थाओं का तर्क है कि रक्तदाता समाज के असली हीरो है। रक्तवीर मरीज का जीवन बचाने में अहम किरदार निभाता है। ऐसी सूरत में उनका हौंसला अफजाई सहयोग के तौर पर करें तो इससे अन्य युवाओं में भी रक्तदान करने की अलख जगेगी। इसी के लिए दोनों संस्थानों ने सरकार से मांग की है कि रक्तवीरों को आयुष्मान योजना का लाभ मिले। रक्तदान करने के लिए रोडवेज बस फ्री हो। साथ ही 20 लाख का जीवन बीमा हो ताकि अनहोनी होने पर परिवार को आर्थिक सहयोग मिल सके। इन्हीं डिमांड को लेकर सोमवार राज्यपाल, मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के नाम नायब तहसीलदार लक्ष्छीराम को मांग पत्र सौंपा गया।

इस ज्ञापन में बताया गया कि रक्तदाता निःस्वार्थ भाव से लोगों की जान बचाने का कार्य करते है, ऐसे में उन्हें विशेष सुविधाएं मिलना जरूरी है। प्रतिनिधियों ने मांग की कि आयुष्मान योजना की तर्ज पर रक्तदाताओं के लिए डोनर कार्ड बनाया जाए। जिससे उन्हें इलाज के दौरान प्राथमिकता और विशेष लाभ मिल सके। इसके अलावा रक्तदान के लिए दूसरे शहर या राज्यों में जाने वाले डोनर्स को निःशुल्क यात्रा सुविधा देने, जरूरत पड़ने पर सरकारी व निजी अस्पतालों में मुफ्त रक्त उपलब्ध कराने और रक्तदाताओं के लिए कम से कम 20 लाख रुपये का जीवन बीमा सुनिश्चित करने की भी मांग रखी गई।

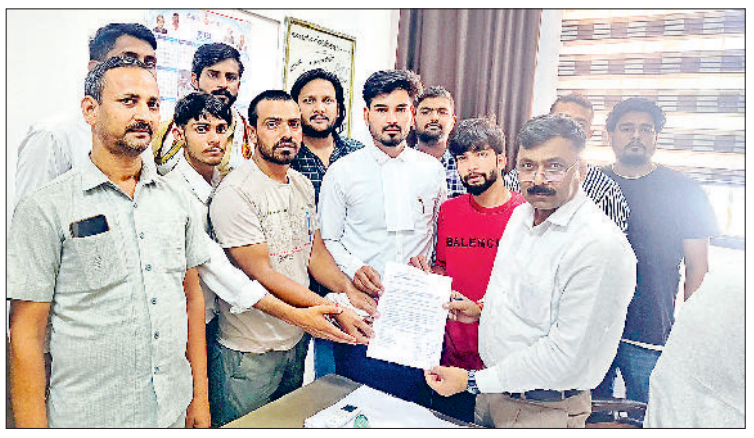

नारनौल। नायब तहसीलदार लच्छीराम को ज्ञापन सौंपते युवक। फोटो : हरिभूमि

सरकार इस ओर दें ध्यान तो नशे से भी दूर हो युवा

टिंकू प्रधान का कहना है कि ऐसी योजनाएं लागू होने से रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और युवा नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर समाजसेवा की ओर अग्रसर होंगे। इससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और समाज में मानवता की भावना मजबूत होगी। रक्तदाता समाज के असली हीरो है। सरकार यदि उन्हें सुरक्षा और सम्मान देगी तो अधिक से अधिक युवा इस पुनीत कार्य से जुड़ेंगे और किसी भी जरूरतमंद को खून की कमी के कारण अपनी जान नहीं गंवानी पड़ेगी। प्रतिनिधियों का मानना है कि सरकार यदि इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेती है, तो प्रदेश में रक्त की कमी से होने वाली मौतों पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। इस मौके पर रवि भारती, एडवोकेट प्रमोद कुमार, एडवोकेट कर्मवीर, सुरेंद्र सिंह राजपूत, कृष्ण शर्मा, प्रदीप यादव, भीमसिंह, मोहित खोला, रमन सैनी, पियूष सैनी, योगेश सैनी, दिनेश यादव, आशीष यादव, कुनाल सर्राफ, सोमदेव शर्मा, शालू आदि व्यक्ति मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
सहेली
रोहतक,मंगलवार
5 मई 2026
10

विशेष
मातृ दिवस
10 मई

मां तुम हो सबसे प्यारी... सबसे न्यारी...

मां के बारे में कितना भी कहा जाए, लिखा जाए, कम ही होगा। उसकी ममता की कोई थाह नहीं, उसके त्याग की कोई सीमा नहीं। संतान के हित के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तत्पर मां की महानता का वर्णन संभव नहीं। सच! इस दुनिया में कोई रिश्ता नहीं, जो मां जैसा प्यारा हो, मां जैसा न्यारा हो।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बिन कहे जो आपकी बात समझ जाए, जिससे बात करके मन हल्का हो जाए, जिसकी गोद में सिर रखकर कुछ पल बैठ जाएं तो स्वर्ग-सा सुख मिले, ऐसा शख्स मां के बिना भला कौन हो सकता है! अपनी संतान से मां का रिश्ता सृष्टि में सबसे सुंदर और अद्वितीय होता है। यह रिश्ता सिर्फ भावनाओं का संगम नहीं, त्याग, शक्ति और अटूट विश्वास की एक अनूठी कहानी है। मां का रिश्ता दुनिया के हर रिश्ते से अलग और बेहद महत्वपूर्ण होता है। मां का रिश्ता एक ऐसी अनमोल विरासत है। एक महिला के रूप में, मां होना पूर्णता का अहसास है और एक संतान के रूप में, मां का होना ईश्वर का वरदान है।

सृष्टि का आधार मां की सृजन-शक्ति

मां का रिश्ता दुनिया का इकलौता ऐसा रिश्ता है, जो जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। नौ महीने तक एक नन्ही-सी जान को अपने भीतर सींचना, उसे अपना रक्त और पोषण देना, यह एक ईश्वरीय अनुभव है। दुनिया का कोई भी दूसरा रिश्ता इस स्तर के शारीरिक और आत्मिक जुड़ाव से नहीं बनता। मां एक 'क्रिएटर' है, यही उसे बाकी सब नातों से ऊपर रखता है। 'मां' केवल एक शब्द नहीं, संपूर्ण सृष्टि का आधार है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मान्यताओं में मां को ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति के रूप में देखा जाता है। मां ही वह शक्ति है, जिसके बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। कई धार्मिक विचारों में मां को ईश्वर का साकार रूप माना गया है, क्योंकि जिस प्रकार परमात्मा सृष्टि का आधार है, उसी प्रकार मां अपने परिवार और भावी पीढ़ी का आधार होती है।

पहली गुरु और मार्गदर्शक

मां न केवल जीवन देती है, बल्कि जीवन जीने का सही तरीका और संस्कार भी सिखाती है। एक बच्चा अपनी पहली शिक्षा किसी स्कूल से नहीं, बल्कि अपनी मां की गोद से प्राप्त करता है। भाषा, संस्कार, सही-गलत की पहचान और दुनिया को देखने का नजरिया सब मां ही सिखाती है। मां ही बच्चे की पहली मेंटर होती है। वह बिना किसी डिग्री के भी जीवन के सबसे कठिन पाठ पढ़ा देती है। इसीलिए मां को हमारे जीवन की पहली गुरु और मार्गदर्शक माना जाता है। मां ही बच्चे के साथ सबसे अधिक समय बिताती है, उसे जीवन के प्रारंभिक पाठ सिखाती है। मां की सिखाई बातें जीवन भर अपनी संतान का मार्गदर्शन करती हैं।

निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा

मां के निःस्वार्थ प्रेम और समर्पण के कारण ही उसे जीवनदाता और सबसे अच्छी दोस्त भी कहा जाता है। आज की व्यावसायिक दुनिया में हर रिश्ता किसी न किसी उम्मीद या लेन-देन पर टिका होता है। लेकिन मां का प्यार 'अनकंडीशनल' होता है। बच्चा चाहे कितना भी बड़ा हो जाए, सफल हो या असफल, मां के लिए वह हमेशा वही मासूम जान रहता है। उसका प्यार बदले में कुछ नहीं मांगता, बस अपने बच्चे की मुस्कुराहट चाहता है। मां का स्नेह, त्याग और ममता न केवल बच्चों का मार्गदर्शन करती है, बल्कि समाज और मानवता की नींव भी रखती है।

अनकही बातों को समझने का हुनर

दुनिया के हर रिश्ते में अपनी बात समझाने के लिए शब्दों का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन मां के साथ ऐसा नहीं है। आपकी आंखों की नमी, आपकी आवाज की खनक या आपकी चुप्पी, मां सब कुछ बिना कहे समझ लेती है। यह 'इंट्यूशन' और 'टेलीपैथी' जैसा जुड़ाव केवल मां के साथ होता है। 'मां' के पास अपनी संतान की अनकही बातों को समझने का जो हुनर होता है, वह शब्दों का मोहताज नहीं होता। यह गुण केवल एक मां ही रख सकती है, जिसे दुनिया के किसी और रिश्ते में पाना लगभग असंभव है। एक मां का दिल वह खजाना है, जिसमें केवल त्याग और प्रेम भरा होता है। मां न केवल अपनी संतान की भावनाओं को समझती है, बल्कि उनमें गहरी रुचि और परवाह भी दिखाती है। चाहे रोते हुए बच्चे को चुप कराना हो या किसी जटिल बात को सरलता से समझाना, मां, संचार के इस कौशल में माहिर होती है। मां का धैर्य, उसका निःस्वार्थ प्रेम ही उसे बच्चे के मन की उन बातों को भांपने की शक्ति देता है, जो वह कभी नहीं कह पाता।

सबसे सुरक्षित आश्रय

बाहर की दुनिया कितनी भी कठोर क्यों न हो, जब एक बच्चा अपनी मां की गोद में सिर रखता है, तो उसे दुनिया का सबसे सुरक्षित कोना महसूस होता है। मां की गोद को दुनिया का सबसे सुरक्षित आश्रय मानने के पीछे केवल भावनाएं ही नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक शोध निष्कर्ष भी हैं। रिसर्च के अनुसार, मां के साथ शारीरिक संपर्क (जैसे गोद में बैठना या गले लगना) शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन को रिलीज करता है। यह हार्मोन तनाव को कम करता है, सुरक्षा का अहसास दिलाता है और मां-बच्चे के बीच एक अटूट बंधन बनाता है। अध्ययनों से पता चला है कि मां का स्पर्श और उसकी मौजूदगी बच्चे के शरीर में कोर्टिसोल (तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन) के स्तर को कम कर देती है। इससे बच्चा खुद को शांत और सुरक्षित महसूस करता है। सिंगापुर में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे मां के अधिक संपर्क में रहते हैं, उनके 'सोशल ब्रेन' का विकास बेहतर होता है। यह उन्हें भावनाओं को समझने और सामाजिक रूप से सक्रिय बनने में मदद करता है। मनोवैज्ञानिक जॉन बाउल्बी की 'अटैचमेंट थ्योरी' बताती है कि मां की गोद बच्चे के लिए एक 'सिक्योर बेस' (सुरक्षित आधार) का काम करती है। जब बच्चा यहां सुरक्षित महसूस करता है, तभी उसमें बाहर की दुनिया को एक्सप्लोर करने का आत्मविश्वास आता है। 'कंगारू केयर' (त्वचा से त्वचा का संपर्क) पर हुई रिसर्च बताती है कि मां की गोद में रहने से शिशुओं के दिल की धड़कन और शरीर का तापमान स्थिर रहता है, जिससे उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

विशाल हृदयी-त्याग की मूरत मां

एक महिला जब मां बनती है, तो वह अपनी नींद, अपनी पसंद, अपना करियर और कभी-कभी अपनी पहचान तक को पीछे छोड़ देती है। सबसे रोचक बात यह है कि वह इसे 'त्याग' नहीं मानती, बल्कि अपनी खुशी मानती है। अपनी थाली की आखिरी रोटी बच्चे को खिलाकर पेट भरा हुआ महसूस करना, यह जादू सिर्फ मां कर सकती है। इंसान गलतियों का पुतला है, और हम अकसर जाने-अनजाने अपनों का ही दिल दुखाते रहते हैं। जहां दूसरे रिश्ते छोटी-सी ठेस से टूट जाते हैं या उनमें दरार आ जाती है, मां का दिल वह समंदर है, जो आपकी हर गलती को समा लेता है। वह डांटती है, नाराज होती है, लेकिन कभी आपका हाथ नहीं छोड़ती। उसका विशाल हृदय संतान को क्षमा करने में देर नहीं करता। जब पूरी दुनिया आप पर शक करती है, तब मां ही होती है, जिसे यकीन होता है कि आप सब कुछ कर सकते हैं। मां का 'मेरा बच्चा सबसे अच्छा है' वाला विश्वास हमें बड़े से बड़े संकट से लड़ने की शक्ति देता है। मां का भरोसा ही वह चेतना जगाती है, जिससे हमारा आत्मविश्वास चमकता है।

प्यार से सिखाते-समझाते हुए
अपनी मां को बनाएं टेक्नो-स्मार्ट

आप जरूर चाहेंगी कि जैसे स्मार्ट फोन और गैजेट्स के जरिए रोजमर्रा के ढेरों काम आसानी से कर लेती हैं, वैसे ही आपकी मम्मी भी कर लें। इसके लिए आपको ही उनकी हेल्प करनी होगी। उन्हें आप बहुत आसानी से टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं।

सजेशन
ललिता गोयल

आज के डिजिटल दौर में मॉम को भी टेक्नो-फ्रेंडली होना बहुत जरूरी है। इससे उनको अपनी फेवरेट रेसिपी ढूंढने या अपने रिलेटिव्स से बात करने के लिए किसी की मदद का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे खाली समय में अपना एंटरटेनमेंट कर पाएंगी, इससे उन्हें खुशी मिलेगी और उनका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। आप बहुत आसानी से मॉम को टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं। इसकी शुरुआत मदर्स-डे से कर सकती हैं।

दोस्त बनकर सिखाएं: अगर टेक्नोलॉजी से जुड़ी मां को एक बार में कोई बात समझ नहीं आ रही तो परेशान या इरिटेट न हों। एक दोस्त की तरह व्यवहार करें, बार-बार प्यार से समझाएं। एक उम्र के बाद टेक्नोलॉजी से जुड़ी बातें सीखने में डर, हिचक होती ही है। ऐसे में उन्हें प्यार से समझाएं, उनका हौसला बढ़ाएं। जैसे आपके बचपन में उन्होंने आपको एक-एक अक्षर और गिनती सिखाई थी, वैसे ही अब आपकी बारी है।

छोटे कदमों से करें शुरुआत: सीधे मुश्किल फंक्शंस सिखाने की बजाय, रोजमर्रा की जरूरत वाली चीजें जैसे- व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल, मैसेज टाइप करना, फोटो शेयर करना, यू-ट्यूब पर वीडियो देखना सिखाएं। जब वे इतना सीख जाएं तब उन्हें दूसरी बातों के बारे में बताएं।

ऑनलाइन फ्रॉड की जानकारी: अपनी मॉम को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के टिप्स भी जरूर बताएं जैसे कि अनजाने लिंक पर क्लिक न करना और ओटीपी शेयर न करना। अनजान लिंक्स के खतरों के बारे में भी समझाएं ताकि कोई नुकसान न उठाना पड़े।

एंटरटेनमेंट: अगर मां को गाने सुनना पसंद हैं, तो उनके फोन पर यू-ट्यूब या स्पॉटीफाई में उनके फेवरेट गानों की प्ले-लिस्ट बना दें। अगर उन्हें किताबें पढ़ना पसंद है, तो ई-बुक्स के बारे में बता सकती हैं। अगर आपकी मां को लिखने का शौक है तो आप उन्हें पर्सनल ब्लॉग बनाना भी सिखा सकती हैं।

वीडियो कॉलिंग: अपनी मम्मी को जरूर सिखाएं कि कैसे वे अपनी सहेलियों या रिश्तेदारों से बिना किसी की मदद के वीडियो कॉल कर सकती हैं। अपने करीबियों को देखते हुए बात करना उन्हें बहुत खुशी देगा।

कैब बुकिंग: ट्रैवल एप के जरिए मां को कहीं भी आने-जाने के लिए कैब बुकिंग करना भी सिखाएं। इससे कहीं भी अकेले आने-जाने के लिए वे आत्मनिर्भर बनेंगी।

हेल्थ-फिटनेस नॉलेज: मां के फोन में कोई योगा एप डाउनलोड कर दें। इनमें 50 से अधिक की उम्र के हिसाब से आसान योगासन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज के तरीके मिल जाएंगे। इनकी मदद से उन्हें फिट और हेल्दी रहने में बहुत मदद मिलेगी।

डिजिटल पेमेंट: उन्हें यूपीआई से पेमेंट करना जरूर सिखाएं। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और जब चाहेंगी अपनी पसंद की शॉपिंग कर सकेंगी। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। जब मां अपनी पसंद की चीजों को डिजिटल तरीके से खुद एक्सेस कर पाएंगी, तो उन्हें बहुत खुशी मिलेगी।

टेक्नो फ्रेंडली बनने के फायदे: जब आपकी मॉम टेक्नोस्मार्ट हो जाएंगी तो यह कई तरीके से उनके लिए फायदेमंद होगा।

- वे घर बैठे ऑनलाइन सामान ऑर्डर कर सकती हैं।
- वे डिजिटल माध्यम से दूर बैठे परिवार वालों से आसानी से जुड़ सकती हैं।
- वे नई चीजें सीखकर नॉलेज बढ़ा सकती हैं।
- अपने खाली समय में एंटरटेनमेंट कर सकती हैं, इससे उन्हें बोरियत नहीं होगी।

स्पेशल क्वालिटी
अंजू जैन

मांएं हर परिवार की धुरी होती हैं। एक साथ कई-कई भूमिकाएं निभाने में एक्सपर्ट मांओं का मैनेजमेंट स्किल कमाल का होता है। हर सदस्य की जरूरत और खुशी का ध्यान रखने में उनका जवाब नहीं होता है। तभी तो हम सब मानते हैं, मां जैसा कोई नहीं।

हर तरह के मैनेजमेंट स्किल में एक्सपर्ट होती हैं मदर्स

पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, स्ट्रेटेजी, टीम लीडर जैसे भारी भरकम शब्दों का इस्तेमाल किए बिना ही शानदार मैनेजमेंट स्किल का प्रदर्शन करने में एक्सपर्ट होती हैं हम सभी की मांएं। हम उन्हें एक कुशल प्रबंधक की तरह काम करते हुए देखते हैं मगर कभी इस पर ध्यान नहीं दे पाते। कैसे हमारी मां घर को एक सुचारू रूप से चलने वाले प्रोजेक्ट या कंपनी की तरह संभालती हैं, अनजान लोगों, रिश्तेदारों, फाइनेंस, टाइम टेबल, मुसीबतों, बाजार और भावनाओं को एक साथ संतुलित करती हैं। इस पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि उनकी मैनेजमेंट स्किल्स किसी कॉर्पोरेट कंपनी के सीईओ यानी मुख्य कार्यकारी अधिकारी से किसी मायने में कम नहीं हैं। मां बिना किसी ऐसी डिग्री के एक पूरे संस्थान यानी परिवार और घर को सुचारु रूप से चलाती हैं।

बजट और वित्तीय योजना: सीमित संसाधनों में घर को बेहतरीन तरीके से चलाना और भविष्य के लिए बचत करना मांओं को एक कुशल 'फाइनेंसियल मैनेजर और एडवाइजर' बनाता है। वे बिना किसी ट्रेनिंग के घर की 'चीफ फाइनेंसियल ऑफिसर' की तरह काम करती हैं। घर में उपलब्ध संसाधनों का बेहतरीन और अधिकाधिक उपयोग करना मांओं की विशेषता होती है। वे जानती हैं कि बजट कैसे बनाया जाए, आने वाले खर्चों के लिए तैयारी कैसे की जाए और अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए धनराशि कैसे बचाई जाए?

समझती हैं अपनी प्राथमिकताएं: सबसे पहले और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है, यह एक मां से बेहतर कौन समझ सकता है? मां की दिनचर्या को एक दिन के लिए देखें कि वे प्राथमिकताओं को कैसे निर्धारित करती हैं? वे समझती हैं कि कब किस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है और कब उसे शांति से टाला जा सकता है? बच्चे का स्वास्थ्य, उसके स्कूल जाने-आने का समय, खाना बनाने और परोसने का टाइम या पारिवारिक संकट हमेशा उनकी प्राथमिकता में होते हैं। घर के सभी कार्य उनकी

व्यस्त रूटीन में समायोजित हो जाते हैं। ठीक वैसे ही जैसे कोई माहिर कॉर्पोरेट मैनेजर करता है।

कई रोल्स में बैलेंस करना: मां खाना बनाने, साफ-सफाई से लेकर घरेलू कार्यक्रमों का आयोजन करने तक, हर काम को कुशलतापूर्वक संभालती हैं। शादी जैसा बड़ा इवेंट भी वे बखूबी मैनेज कर लेती हैं। वे लगातार अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि परिवार का हित प्रभावित न हो और यह सुचारु रूप से चलता रहे। एक साथ कई भूमिकाएं निभाने और कई प्रतिभाएं, गुण रखने को विशेषज्ञता को पालीमैथ कहा जाता है। मम्मियां इसमें दक्ष होती हैं।

अच्छी रोल मॉडल: मांएं अपने परिवार के लिए उदाहरण के तौर पर मौजूद रहती हैं। वे अनुशासन, धैर्य या मेहनत के बारे में सिर्फ किताबी बातें नहीं करतीं, बल्कि हर दिन इसे अपने जीवन में उतारती हैं। उनके बच्चे, पति और सभी परिजन इसे प्रत्यक्ष देखते हैं तो वे प्रेरित होते हैं।

मल्टी-टास्कर: मल्टी-टास्किंग के मामले में मम्मियों को दुनिया में सबसे बेहतरीन माना जाता है। एक मां एक ही समय में खाना बना सकती है, बच्चे की पढ़ाई पर नजर रख सकती है और घर के अन्य जरूरी कामों की योजना बना सकती है। मां एक साथ कई भूमिकाएं निभाती हैं जैसे टीचर, कुक, कंसल्टेंट और चीयरलीडर। यह क्षमता उन्हें जटिल परिस्थितियों में भी कार्यकुशल बनाए रखती है।

मेकअप
सरिता गुप्ता

प्रॉपर मेकअप से मां दिखेंगी सिंपल-सोबर

जिस तरह का मेकअप यंग एज में किया जाता है, वैसा मिड एज में नहीं किया जा सकता है। दरअसल, बढ़ती उम्र के साथ त्वचा में कई बदलाव आने लगते हैं, जैसे झुर्रियां, ढीलापन, ड्रायनेस और पिग्मेंटेशन। ऐसे में मेकअप का तरीका भी बदलना जरूरी हो जाता है। सही मेकअप न केवल चेहरे की कमियों को छिपाता है बल्कि नेचुरल ग्लो भी बढ़ाता है। इस मदर्स-डे पर, अपनी मां को एक नया सिंपल-सोबर लुक देने के लिए आप यहां बताए जा रहे मेकअप स्टेप्स फॉलो करें। यकीन मानिए, आपकी मॉम और भी प्यारी दिखने लगेंगी।

स्किन केयर से करें शुरुआत: मेकअप से पहले स्किन को प्रिपेयर करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ स्किन ड्राय होने लगती है। इसलिए सबसे पहले मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें। फिर हाइड्रेटिंग सीरम और प्राइमर का उपयोग करें। इसकी मदद से मेकअप स्मूथ लगता है और लंबे समय तक टिका रहता है।

लाइटवेट फाउंडेशन का करें चुनाव: हैवी फाउंडेशन झुर्रियों को और उभार सकता है। इसलिए हमेशा लाइटवेट और हाइड्रेटिंग फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। बीबी क्रीम या सीसी क्रीम भी अच्छा विकल्प है। इसे स्पंज या ब्रश की मदद से हल्के हाथों से लगाएं ताकि स्किन नेचुरल दिखे।

कंसीलर का सही इस्तेमाल: आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स को छिपाने के लिए कंसीलर का उपयोग करें, लेकिन बहुत ज्यादा मात्रा में इसे न लगाएं। हल्के हाथों से ब्लेंड करें ताकि फाइन लाइंस में प्रोडक्ट जमा न हो।

पावडर कम लगाएं: मेकअप में कम पावडर का इस्तेमाल करें। अधिक पावडर लगाने से चेहरा ड्राय और केकी दिख सकता है। सिर्फ टी-जोन (माथा, नाक और ठोड़ी) पर ही हल्का-सा कॉम्पैक्ट पावडर लगाएं। इस सीजन में ट्रांसलूसेंट पावडर बेहतर रहता है।

सॉफ्ट-न्यूट्रल आई मेकअप: बढ़ती उम्र में आई मेकअप को हल्का और सॉफ्ट रखना चाहिए। ब्राउन, पीच या न्यूड शेड्स का इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा ग्लिटर या डार्क शेड्स अप्लाई करने से बचें। आईलाइनर पतला लगाएं और मस्कारा से पलकों को हल्का वॉल्यूम दें। इसके बाद आइब्रो पेंसिल से आइब्रोज को हल्की सी शेप दें।

नेचुरल ग्लो के लिए ब्लशर: बढ़ती उम्र में क्रीम ब्लश का इस्तेमाल करना ठीक रहता है क्योंकि यह स्किन को हाइड्रेटेड लुक देता है। पीच या पिंक शेड चेहरे को फ्रेश और यंग लुक देते हैं।

लिपस्टिक के शेड्स: डार्क और बहुत ब्राइट कलर्स की बजाय सॉफ्ट शेड्स जैसे रोज, पिंक, पीच या न्यूड शेड्स के लिपिस्टिक का चुनाव करना सही रहता है। लिप्स को पहले मॉयश्चराइज करें और फिर लिपस्टिक लगाएं।

हाइलाइटर का कम यूज: मेकअप के बाद हल्का-सा हाइलाइटर चेहरे को ग्लो देता है। लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल न करें।

सबसे जरूरी बात यह है कि सिंपल और एलिगेंट लुक ही बढ़ती उम्र में सबसे ज्यादा खूबसूरत लगता है।

(मेकअप आर्टिस्ट प्राची गोयल से बातचीत पर आधारित)

एडवाइस
डॉ. आरती आनंद
सीनियर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट
सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली

आप जरूर चाहेंगी कि बढ़ती एज में भी आपकी मॉम न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली भी हेल्दी रहें। इसके लिए आप क्या उपाय आजमा सकती हैं, कैसे उनकी मेंटल हेल्थ का ध्यान रखें, जानिए।

मॉम रहेंगी मेंटली हेल्दी

हर परिवार में मां-बेटी के बीच गहरा भावनात्मक लगाव होता है। ऐसे में जिम्मेदार बेटी होने के नाते आपका यह फर्ज बनता है कि आप अपनी मम्मी के मन की बातों को भी समझें। आपकी कोशिश होनी चाहिए कि वे तनावमुक्त और प्रसन्न रहें।

मानसिक सेहत पर प्रभाव: उम्र के पांचवें दशक में प्रवेश करते ही अधिकतर महिलाओं के जीवन में मेनोपॉज की शुरुआत हो जाती है। इस दौरान उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन की मात्रा घटने लगती है। हॉर्मोन संबंधी असंतुलन के कारण महिलाओं को मूड स्विंग की समस्या होती है। वे तनावग्रस्त रहने लगती हैं। उम्र के इस दौर में बच्चों के करियर, विवाह और रिटायरमेंट के बाद पैदा होने वाले खालीपन के बारे में भी सोचकर महिलाएं घबराने लगती हैं।

कैसे पहचानें लक्षण: अगर आपकी मम्मी अकसर सुस्त, चिड़चिड़ी और गुमसुम दिखाई दें या उनकी दिनचर्या और व्यवहार में अचानक कोई बड़ा बदलाव नजर आए, मसलन, कम बोलना, लोगों से मिलने-जुलने से कतराना, एकाग्रता में कमी, निर्णय लेने में घबराहट, रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें भूल जाना, रात में नींद न आना, सिरदर्द, भोजन में अरुचि, यदि ऐसे कोई भी लक्षण नजर आएं तो उन्हें अनदेखा न करें क्योंकि ये डिप्रेशन, स्ट्रेस और एंग्जाइटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में अपनी मां को इमोशनल सपोर्ट देना आपकी जिम्मेदारी है।

क्या करना चाहिए: रोजाना नियमित रूप से अपनी मां के साथ बातचीत के लिए समय निकालें। अगर कभी वह उदास नजर आएं तो उनसे उनकी उदासी का कारण पूछकर उसे दूर करने की कोशिश करें। सहजता से धीरे-धीरे उनके साथ दोस्ताना संबंध विकसित करने की कोशिश करें। जहां तक संभव हो घर के कामकाज में उनका हाथ बंटाएं। रोजाना सुबह जल्दी उठकर उनके साथ योग और मेडिटेशन करें। इससे ब्रेन में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो खुशी का एहसास दिलाने के साथ अच्छी नींद लाने में भी मददगार होता है। इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आपकी मम्मी को थायरॉइड की समस्या तो नहीं है, उनके शरीर में विटामिन-डी और विटामिन-बी-12 का स्तर सही तो है न? कई बार इनकी कमी के कारण भी महिलाओं को डिप्रेशन और एंग्जाइटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं परेशान करती हैं। अकेलापन सभी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की सबसे बड़ी वजह है, इसलिए उन्हें उनकी रुचि से जुड़ी किसी भी गतिविधि जैसे कीर्तन, सत्संग या किटी पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। किसी वीकेंड पर उन्हें अपने साथ शॉपिंग पर या डिनर के लिए लेकर जाएं। इस उम्र में महिलाओं की घरेलू जिम्मेदारियां सीमित हो जाती हैं, ऐसे में उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। इस समस्या से बचाव के लिए उन्हें उनकी उन हॉबीज की याद दिलाएं। उन्हें जो भी कार्य पसंद हो, उसकी दोबारा से शुरूआत करें। ऐसी रचनात्मक सक्रियता से वह हमेशा तनावमुक्त और खुश रहेंगी।

प्रस्तुति: विनीता

खबर संक्षेप

चुनावी नतीजे राष्ट्रवाद की जीतः राकेश शर्मा

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा एडवोकेट ने पश्चिम बंगाल व असम के चुनावी नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे राष्ट्रवाद की जीत बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने सांप्रदायिकता की राजनीति को नकारते हुए विकास और मजबूत नेतृत्व को प्राथमिकता दी है। राकेश शर्मा ने कहा कि देश की जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए मजबूत व स्थिर नेतृत्व आवश्यक है।

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानोत्सव 21 को

महेंद्रगढ़। शहर के रेलवे रोड पर स्थित मास्टर कॉलोनी (चौधरी वाली गली) के किशोरी कुंज में 21 मई से श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कौशल्या देवी शिव मंदिर ट्रस्ट एवं कॉलोनी के समस्त भक्तों की ओर से 7 दिवसीय संगीतमय कथा होगी। कथा प्रबंधक मामनचंद चौधरी ने बताया कि यह सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा 21 मई से 27 मई तक प्रतिदिन सायं 3 बजे से सायं 6 बजे तक चलेगी।

फायर विभाग के कर्मचारियों की 27वें दिन भी जारी रही हड़ताल

कर्मचारियों का विरोधः मांगें पूरी होने तक हड़ताल पर डटे रहने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल की काम छोड़ हड़ताल लगातार चौथे दिन भी जारी रही। वहीं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भी अपनी मांगों को लेकर 27वें दिन हड़ताल पर डटे रहे तथा नगर परिषद परिसर से लेकर महावीर चौक तक विरोध प्रदर्शन किया। संयुक्त रूप से चल रहे इस आंदोलन के कारण नगर पालिका एवं फायर विभाग के कार्य प्रभावित रहे। हड़ताल की अध्यक्षता संयुक्त नगर पालिका इकाई नारनौल के प्रधान भूपेंद्र सिंह तथा फायर विभाग के प्रधान गुरदयाल सिंह ने की। आंदोलन को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य सचिव एवं जिला प्रधान कौशल यादव तथा नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान राहुल कुमार ने कहा कि सरकार लगातार कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी कर रही है, जिसके चलते कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि नगर पालिका एवं फायर विभाग में लंबे समय से कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। इसके अलावा फायर विभाग के कर्मचारियों के साथ न्याय किया जाए और उनकी लंबित मांगों को तुरंत प्रभाव से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार कर्मचारियों की मांगों को स्वीकार नहीं करती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों से लगातार काम तो ले रही है, लेकिन उन्हें स्थायी रोजगार, वेतन सुरक्षा और अन्य सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। इससे कर्मचारियों में भारी रोष बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

नारनौल। धरने को संबोधित करते जिला प्रधान राहुल सारवान। *फोटोः हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

हड़ताल में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों के साथ-साथ फायर विभाग के सभी कर्मचारी भी शामिल रहे। आंदोलन में प्रमुख रूप से महावीर प्रसाद, मनोज कुमार, जोगिंदर सिंह, कमल सिंह, राजेश, संजय, आशु, नीरज, विनोद, रजनीश, लखन, दीपक, निरंजन लाल, जेडीया, कृष्ण कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मनोज देवी, सुनीता देवी, मंजू देवी, कांता देवी, ललिता देवी, निर्मला देवी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकारी नीतियों के खिलाफ सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन

मंडी अटेली। *नगर पालिका क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों का ठेका प्रथा के विरोध में आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। अनिश्चितकालीन धरने के चौथे दिन भी कर्मचारियों ने कामकाज पूरी तरह ठप रखा और अपनी मांगों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इसके चलते शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। धरने के कारण अटेली के नए व पुराने बस स्टैंड, रेलवे रोड, अनाज मंडी, झंडा चौक, अटेली थाना मार्ग, खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय के आसपास तथा मुख्य बाजार की गलियों में कूड़ा जमा हो गया है। कई स्थानों पर तो स्थिति यह हो गई है कि सड़क किनारे और बीच बाजार में कचरे के ढेर लगे हैं जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रविवार रात्रि को हुई बारिश ने हालात को और बिगाड़ दिया। कूड़े के ढेरों में पानी भर जाने से उनमें से तेज दुर्गंध उठने लगी है। बदबू के कारण लोगों का वहां से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। दुकानदारों और राहगीरों का कहना है कि यदि जल्द ही सफाई व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। गंदगी के चलते मच्छरों और बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है जिससे लोगों में चिंता का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर इस समस्या का समाधान निकालने की मांग की है। उनका कहना है कि स्वच्छता को लेकर सरकार बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन जमीनी स्तर पर हालात इसके बिल्कुल विपरीत नजर आ रहे हैं। शहर में फैली गंदगी इन दावों की पोल खोल रही है।*

भाजपा की जीत पर महेंद्रगढ़ के आजाद चौक में बांटे लड्डू

महेंद्रगढ़। *पश्चिम बंगाल और आसाम में भाजपा की जीत की खुशी में महेंद्रगढ़ के आजाद चौक पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व शिक्षा मंत्री के छोटे भाई एवं कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र उर्फ राजू शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत है। पश्चिम बंगाल की जनता ने लंबे समय से चले आ रहे कुशासन से मुक्ति पाने के लिए भाजपा को चुना है। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमि पर भाजपा की यह जीत ऐतिहासिक है और पहली बार कमल खिलाकर नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में बढ़ा है और लोगों ने अपने अस्तित्व की पहचान करते हुए यह फैसला लिया है। इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका प्रधान रमेश बोहरा, धर्मेंद्र सैनी, कुलदीप शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सतबीर उर्फ भैरो सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।*

चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीतः वासुदेव

नारनौल। *भाजपा जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव ने पश्चिम बंगाल, असम व पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय पर कार्यकर्ताओं, समर्थकों व देशवासियों को बधाई दी हैं। उन्होंने कहा कि यह विजय देश के प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व, पार्टी के सुदृढ़ सिद्धांतों व कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रतिफल है। जनता ने एक बार फिर विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति पर अपना विश्वास प्रकट किया है, जो यह दर्शाता है कि देश की जनता सकारात्मक और निर्णायक नेतृत्व के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह जीत केवल चुनावी सफलता नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र में जनता की गहरी आस्था और पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों की व्यापक स्वीकृति का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा सरकारें इन राज्यों में विकास की नई ऊंचाइयों को छुएंगी और जनता की अपेक्षाओं पर पूर्णतः खरी उतरेंगी। उन्होंने पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व नेतृत्व को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए साधुवाद देते हुए कहा कि यही संगठन की शक्ति है।*

झंडा चौक बना श्रद्धा का केंद्र, श्याम महोत्सव में उमड़ी भक्ति की लहर

सुंदरकांड पाठ ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

शहर के झंडा चौक पर आयोजित दो दिवसीय श्याम संकीर्तन महोत्सव ने इस बार कुछ अलग ही रंग दिखाया। सुंदरकांड रविवार देर रात्रि भजन संध्या के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ लेकिन पूरे आयोजन के दौरान माहौल सिर्फ कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि श्रद्धा का एक जीवंत उत्सव बन गया। श्री श्याम दीवाना मंडल के सान्निध्य में हुए इस आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी ने आयोजन को और भी खास बना दिया। वे पूरे उत्साह के साथ भजनों पर झूमती और भक्ति में लीन नजर आईं। शनिवार को रसराज महाराज और पुष्प मनोहारी शर्मा द्वारा प्रस्तुत सुंदरकांड पाठ ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। वहीं रविवार को भजन संध्या में गौरी-साक्षी,अभिषेक नामा और मनोज शर्मा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे-जैसे भजनों की लय बढ़ती गई, वैसे-वैसे श्रद्धालु भी भावनाओं में बहते नजर आए। कार्यक्रम में राम नाम की महिमा और श्याम दरबार जैसे भजनों ने खास प्रभाव छोड़ा, जिन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।

मंच संचालन गोपाल भारद्वाज ने संभाला, जबकि नरेश पुनिया म्यूजिकल ग्रुप सहित अन्य सहयोगियों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मंडी अटेली। झंडा चौक पर आयोजित श्याम संकीर्तन में प्रस्तुति देते कलाकार।

हिंदी भाषा पर निबंध प्रतियोगिता में चंचल शर्मा रही प्रथम

नांगल चौधरी। *शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय महाविद्यालय हिन्दी विभाग के तत्वावधान में हिन्दी भाषा के महत्व पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान विद्यार्थियों को दैनिक गतिविधियों में शुद्ध हिंदी भाषा बोलने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में लेखन कौशल और सृजनात्मक सोच को विकसित करने में भूमिका निभाती हैं। हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और भारत में लगभग 75 प्रतिशत लोग इसका प्रयोग करते हैं, जो इसकी व्यापकता को दर्शाता है। प्रतियोगिता में 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया है, जिनमें छात्रा चंचल शर्मा प्रथम, साहिल द्वितीय व कुलदीप सैनी ने तृतीय स्थान अर्जित किया। इस मौके पर डॉ. अशोक कुमार यादव, विनेश कुमारी, डॉ. लीलाराम उपस्थित रहे।*

इंडस वैली पब्लिक स्कूल में हुई विज्ञान और हिंदी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय शिक्षा समिति टोहाना फतेहाबाद द्वारा आयोजित विज्ञान पुरस्कार परीक्षा एवं हिंदी व्याकरण पुरस्कार प्रतियोगिता में इंडस वैली पब्लिक स्कूल दौंगड़ा अहीर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया।

संस्था के प्राचार्य जयवीर सिंह यादव ने बताया कि विज्ञान पुरस्कार प्रतियोगिता में कक्षा छठी के दक्ष ने हरियाणा स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया साथ ही साथ कक्षा दसवीं के पीयूष, कक्षा आठवीं के संजीव व धनराज, कक्षा छठी के नचिता तथा कक्षा पांचवीं के रेवांश ने हरियाणा स्तर पर मेरिट में स्थान प्राप्त किया।

वहीं हिंदी व्याकरण प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं के जिज्ञासु, कक्षा 9वीं की तनु व शिवानी, कक्षा 8वीं की शिवांगी, प्रियांशी व पलक, कक्षा 7वीं की शगुन, कक्षा 6वीं के आरुष व दक्ष तथा कक्षा 5वीं की दीया ने श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक कौशल और भाषा ज्ञान को निखारने का एक सशक्त माध्यम हैं, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं। इस अवसर पर सभी विजेता विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करते हुए पारितोषिक वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन धर्मेंद्र यादव, उप चेयरमैन विजय सिंह यादव, निदेशक केसी. यादव, उपप्राचार्य वीर सिंह यादव सहित समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए। *फोटोः हरिभूमि*

मोदी के नेतृत्व में पहली बार बनी बंगाल में सरकारः हेमंत भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भाजपा नेता एडवोकेट हेमंत भारद्वाज सिहमा ने पांच राज्यों के चुनाव में बंगाल, आसाम व पांडिचेरी में बीजेपी को मिली को मिली अप्रत्याशित जीत पर इन राज्यों की जनता का आभार जताया है। भारद्वाज ने कहा कि देश की आजादी के बाद पहली बार बंगाल में सनातन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में सरकार बनी है। जनता टीएमसी की कार गुजारियों से 15 वर्षों से पीड़ित थी, जिसे बंगाल की जनता ने नकार करके भाजपा की नीतियों पर मोहर लगाई है। भाजपा की आज 22 राज्यों में सरकार बन गई है और सम्पूर्ण दक्षिण भारत विजय का संकल्प भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता कर चुका है। एडवोकेट भारद्वाज ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी की ओर से बंगाल चुनाव में की गई कड़ी मेहनत को भी कमल खिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका बताई।

कांग्रेस की जीत पर बांटे लड्डू

नारनौल। जिला कांग्रेस संगठन महासचिव एवं पूर्व जिला बार एसोसिएशन प्रधान मनजीत कुमार मांदी ने कांग्रेस पार्टी की केरल जीत व तीन राज्यों से कांग्रेस की सरकार बनने पर शहर की मार्केट में लड्डू बांटे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने नेता राहुल गांधी की तरह गलत के खिलाफ, शोषित, दलित, दबे कुचले, अल्पसंख्यक, जवान, किसान, विद्यार्थी के साथ मजबूती से खड़ा है और भविष्य मे भी मजबूती खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई से गलत तरीके से लोकतन्त्र की हत्या व संविधान कुचलने की कोशिश करने वाली सरकार से डरने वाला नहीं है। इस मौके पर प्रवीन कुमार, मनोज सैनी, सुन्दरलाल तरेड़िया, जीतू, अनिल सैन, वीरभान, श्योराण, विजय कुमार, अजय आदि मौजूद रहे।

नारनौल। कांग्रेस की जीत पर लड्डू बांटते हुए। *फोटोः हरिभूमि*

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी मनाई

मंडी अटेली। अटेली में सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में पार्टी की प्रचंड जीत पर खुशी जाहिर करते हुए लड्डू बांटे। यह कार्यक्रम भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व सरपंच कुलदीप यादव के कार्यालय पर आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया और पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। इस मौके पर खोड़ सरपंच प्रतिनिधि मूलसिंह चौहान, बिट्टू लाम्बा, विक्रम शर्मा, संजय ताजपुर, प्रवीण फतेहपुर, दीपक, मोनू खत्री व जितेन्द्र के अलावा अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में फार्मेसी विषयों पर हुई पुस्तक प्रदर्शनी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय "फार्मेसी एवं संबद्ध विषयों पर पुस्तक प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी को विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। प्रदर्शनी में फार्मेसी एवं संबंधित विषयों की विभिन्न अकादमिक और संदर्भ पुस्तकों का व्यापक संग्रह प्रदर्शित किया गया। इन पुस्तकों का प्रकाशन सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा किया गया है। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नवीनतम प्रकाशनों से अवगत कराना तथा विश्वविद्यालय पुस्तकालय के संग्रह को और समृद्ध बनाने के लिए उपयोगी पुस्तकों की अनुशंसा को बढ़ावा देना था। इस दौरान विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और शैक्षणिक व शोध आवश्यकताओं के अनुरूप पुस्तकों की अनुशंसा की। वहीं विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर प्रदर्शित पुस्तकों में गहरी रुचि दिखाई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शैक्षणिक उत्कृष्टता और सतत अधिगम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कैंपस प्लेसमेंट में मिली बड़ी सफलता, ग्रेजुएट एस्पिरेंट हायरिंग प्रोग्राम में चयनित हुए छात्र

केंद्रीय विवि के 7 विद्यार्थियों का आईसीआईसीआई बैंक में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कैंपस प्लेसमेंट के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के सात विद्यार्थियों का चयन आईसीआईसीआई बैंक के प्रतिष्ठित ग्रेजुएट एस्पिरेंट हायरिंग प्रोग्राम के अंतर्गत हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा भर्ती प्रक्रिया का सफल आयोजन किया गया। इस प्रक्रिया में कुल 40 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 20 विद्यार्थियों को अंतिम चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

अंतिम साक्षात्कार में 17 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया के बाद एंटीम एंटीम, गौरव चौहान, जतिन कुमार, लिनो जॉय, नितीश कुमार, सचिन और गौरव पटोदिया का अंतिम चयन किया गया। यह प्लेसमेंट ड्राइव डॉ. दिव्या के निर्देशन तथा डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सुयश मिश्रा के समन्वय में आयोजित की गई। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बैंक अधिकारियों से मुलाकात कर विद्यार्थियों के करियर विकास और व्यावसायिक अवसरों पर चर्चा की।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का कार्य करती हैं।

महेंद्रगढ़। चयनित विद्यार्थी कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार के साथ। *फोटोः हरिभूमि*

ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के प्रयासों की सराहना

वहीं कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार और समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने भी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के प्रयासों की सराहना की। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत और विश्वविद्यालय की मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था का परिणाम है। इससे विश्वविद्यालय और उद्योग जगत के बीच बेहतर तालमेल को भी मजबूती मिली है।

बुचोली स्कूल में विद्यार्थियों को मलेरिया से बचाव के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर सोमवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुचोली में विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ को मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मी मुकेश चौहान, आशा वर्कर उर्मिला तथा तारामणी ने बच्चों को मलेरिया के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी।

स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि मलेरिया मच्छरों के कारण फैलने वाली गंभीर बीमारी है। इससे बचाव के लिए घरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि पानी को जमा नहीं होने देना चाहिए तथा कूलर, टायर, गमले, खाली डिब्बे और पानी के अन्य स्रोतों की नियमित सफाई करनी चाहिए। नालियों और गड्ढों में पानी जमा होने से मच्छर तेजी से पनपते हैं, इसलिए उन्हें साफ रखना जरूरी है। उन्होंने बताया कि मच्छरों से बचाव के लिए घरों के दरवाजों और खिड़कियों पर जाली लगवानी चाहिए।

महेंद्रगढ़। जागरूकता का पंफलेट लेकर प्रदर्शन करते स्वास्थ्य कर्मी।

सार्वजनिक सूचना

मै प्रेम चंद पुत्र हजारी लाल वासी धोलेड़ा तहसील नांगल चौधरी जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अनिल व उसकी पत्नी टीना शर्मा मेरे कहने सुनने से बाहर है व आए दिन घर में लड़ाई–झगड़ा करते रहते हैं। इसलिए मै उनको अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

9 से 10 मई दोपहर दो बजे तक होगी नामांकन पत्रों की जांच

सैनी सभा का त्रिवार्षिक चुनाव : 14 मई को चुनाव चिह्न आवंटित होंगे, फिर जोरों से शुरू होगा प्रचार-प्रसार

24 को होंगे प्रधान सहित 5 पदों के चुनाव, आज से नामांकन

हरिभूमि न्यूज नारनौल

शहर की सबसे बड़ी सामाजिक संस्था सैनी सभा (रजि.) का त्रिवार्षिक चुनाव का अंतिम चरण का चुनाव 24 मई को होगा। इस दिन प्रधान, उपप्रधान, महासचिव, सचिव व कोषाध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारों का चयन कॉलेजियम सदस्य वोट के अधिकार से करेंगे। इस चुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। आज मंगलवार से नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। ऐसे में अब धीमी गति से चल रहा प्रचार जोर पकड़ेंगा।

यह है चुनावी शेड्यूल : इस संबंध में चुनाव अधिकारी संदीप एडवोकेट, उप चुनाव अधिकारी सुरेंद्र सैनी व पर्यवेक्षक रोशनलाल सैनी ने बताया कि 5 मई से 8 मई के बीच रोजाना दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक नामांकन के लिए आवेदन किए जा सकते है। इस तिथि के बाद 9 से 10 मई दोपहर दो बजे तक नामांकन की जांच होगी। इसके बाद 13 मई को शाम पांच बजे तक नामांकन वापसी लिए जा सकेंगे। अगले ही दिन 14 मई को उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटन कर दिए जाएंगे। इसके बाद प्रत्याशियों के पास 10 दिन का समय प्रचार प्रसार का रहेगा। इसके बाद 24 मई को सैनी सभा परिसर में चुनाव होंगे।

ये दस्तावेज अनिवार्य

इस नामांकन में प्रधान, उपप्रधान, महासचिव, सचिव व कोषाध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। प्रधान पद के लिए 11 हजार रुपये और अन्य पदों के लिए 1100 रुपये की राशि जमा होगा। नामांकन पत्र के साथ उम्मीदवार को खुद की और प्रस्तावक के आधार कार्ड की फोटो कॉपी, उम्मीदवार व प्रस्तावक के कॉलेजियम निर्वाचन के प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी, उम्मीदवार के पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, सभा का पहचान पत्र या अन्य वैध पहचान पत्र की फोटो कॉपी भी देनी होगी। नामांकन पत्र निर्धारित प्रपत्र में ही स्वीकार किए जाएंगे और समय सीमा के बाद किसी भी प्रकार का नामांकन मान्य नहीं होगा। अधूरे या त्रुटिपूर्ण नामांकन फार्म निरस्त कर दिए जाएंगे। यह सूचना चुनाव कार्यालय सैनी सभा के नोटिस बोर्ड पर सूचना के लिए भी लगाई गई है।

108 निर्विरोध व 47 वार्ड में हुए थे कॉलेजियम चुनाव

आपको बता दें कि हर तीन साल में यह चुनाव होते है। सरकार की गाइडलाइन अनुसार सैनी सभा में 155 कॉलेजियम वार्ड बनाए गए है। प्रथम चरण में जब कॉलेजियम सदस्य चुनने की बारी थी, तब 155 कॉलेजियम वार्ड में से पहले ही 91 वार्ड ऐसे थे, जहां पर एक एक आवेदन ही आया था। ऐसे में इन 91 वार्ड से निर्विरोध कॉलेजियम बन गए थे। इसके अलावा 64 वार्ड ऐसे थे जहां एक से अधिक यानि कुल 139 नामांकन जमा हुए थे। इन जमा नामांकनों को विड्रा करने की तिथि में 139 में से 23 नामांकन वापस हुए। इस तरह से 64 में से 17 वार्ड में निर्विरोध कॉलेजियम ओर चुने गए। इस तरह कुल 108 वार्ड से निर्विरोध कॉलेजियम बन गए। फिर इन 155 में से 108 को छोड़कर बाकी 47 वार्डों पर सहमति नहीं बनने पर आठ मार्च को चुनाव करवाएं गए थे। इस प्रथम चरण की चुनावी प्रक्रिया में यह 47 कॉलेजियम चुने गए। कुल मिलाकर अब यह 155 कॉलेजियम सदस्य सैनी सभा की कार्यकारिणी के अहम पद प्रधान, उपप्रधान, महासचिव, सचिव व कोषाध्यक्ष पद का चुनाव करेंगे।

17 को होगी वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन नारनौल की मासिक बैठक इस बार निर्धारित दूसरे रविवार के स्थान पर 17 मई रविवार को आयोजित की जाएगी। संगठन के कार्यकारी उपप्रधान ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक सुबह 10 बजे किला रोड स्थित संगठन कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में होगी। बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा करेंगे। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के अलावा शहर की ज्वलंत समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके बाद समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों और जिला प्रशासन से अनुरोध किया जाएगा। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा सार्वजनिक समस्याओं को लेकर सुझाव लिए जाएंगे।

कनीना महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे पर उन्हाणी के समीप पेड़ गिरने से लगा जाम

तेज आंधी के साथ बारिश व ओलावृष्टि से पारा लुढ़का

कनीना क्षेत्र में 36 एमएम बारिश के बाद किसान बाजरा बुवाई की तैयारी में जुटे

हरिभूमि न्यूज कनीना

कनीना। कनीना-महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे पर लगा जाम, पेड़ काटकर बहाल किया यातायात तथा बिजली का खंभा टूटने से जमीन पर गिरी केबल। फोटो : हरिभूमि

रविवार रात्रि क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट ली और आसमान में कड़कती बिजली व तेज आंधी के साथ बारिश तथा ओलावृष्टि के चलते बिजली सप्लाई गुल हो गई। गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन पेड़ों पर आश्रय लिए बैठे अनेक बेजुबान परिंदे अकाल मौत के मुंह में समा गए। इधर आंधी, बारिश व ओलावृष्टि से लगातार बढ़ रहा तापमान गिर गया। जिसके चलते रात के समय ग्रामीण कंबल ओढ़कर सोने पर मजबूर हो गए। उन्होंने बारिश के बाद गर्मी से राहत महसूस की।

मंडी में खरीदी गई फसल भीग गई। कनीना क्षेत्र में करीब 36 एमएम बारिश के बाद किसान ज्येष्ठ माह में बाजरा बुवाई की तैयारी करने लगे हैं। आंधी इतनी तेज थी कि कई स्थानों पर पेड़ व बिजली के खंभे तक क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कनीना महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे नंबर 24 पर उन्हाणी के पास से गुजर रही रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी के पुलिया के साथ खड़ा कीकर का भारीभरकम पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। घटना रविवार रात करीब 11 बजे की है, जब इस मार्ग से गुजर रहे वाहन अचानक जाम में फंस गए। देखते ही देखते जाम की लंबाई करीब छह किलोमीटर तक पहुंच गई। रात के समय कोई वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण भारी वाहन चालकों को पूरी रात सड़क पर ही बितानी पड़ी। करीब आठ घंटे बाद सोमवार सुबह होने पर वाहन चालकों ने कीकर के पेड़ को काटकर एक तरफ किया, तब कहीं जाकर यातायात बहाल हो सका। सुबह करीब साढ़े आठ बजे ग्रामीण क्षेत्र में बिजली सप्लाई सुचारू हुई, वहीं कनीना में 11 बजे बाद बिजली सप्लाई बहाल हो सकी।

स्याणा में डेयरी फार्म को नुकसान

दूसरी ओर आंधी, बारिश व ओलावृष्टि के कारण स्याणा गांव में बनी पशु डेयरी का टीनशेड उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया। डेयरी संचालक अजीत सिंह ने बताया कि डेयरी फार्म का टीनशेड आंधी की भेंट चढ़ गया तथा पशुओं को भी चोटें आई। जिससे उन्हें आर्थिक रूप से नुकसान हो गया। उनके पास करीब 14 पशु हैं। उन्होंने मुआवजे की मांग को लेकर जिला राजस्व अधिकारी से गुहार लगाई है।

खराब मौसम के समय बरतें सावधानी

इस बारे में एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने आमजन को आगाह करते हुए कहा कि खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतें और अनावश्यक यात्रा से बचें। सावधानी बरतने से जीवन सुरक्षित रह सकता है। उन्होंने कहा कि मौसम खराबी के दौरान बिजली के खंभे व पेड़ों से दूर रहें।

ग्रामीण फीडरों की बिजली सप्लाई 20 घंटे रही ठप

नांगल चौधरी। रविवार की रात तेज अंधड़ व बारिश ने कहर बरपाया है। नांगल चौधरी उपमंडल के विभिन्न गांवों में 40 से अधिक खंबे टूट गए तथा चार ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं। बिजली सप्लाई बाधित होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। शिकायत मिलने पर निगम के कर्मचारियों ने तत्परता पूर्वक रिपेयर प्रक्रिया आरंभ कर दी। देर शाम तक करीब 40 गांवों की सप्लाई को बहाल कर दिया, अगले 15 घंटे में कंप्लीट सप्लाई को बहाल करने का टारगेट निर्धारित किया है। आपको बता दें कि सरकार के निर्देशानुसार बोरवेल व घरेलू बिजली सप्लाई के लिए अलग अलग लाइनें बिछाई गई हैं। निर्धारित आबादी वाली ढाणियों को सीटी सप्लाई से जोड़ दिया, जिससे खेतों में खंबे व ट्रांसफार्मर की संख्या बढ़ गई, लेकिन बीती रात आए तेज तूफान ने उपभोक्ताओं की समस्या बढ़ा दी। विभिन्न गांवों में 40 से अधिक खंबे टूट गए व चार ट्रांसफार्मर जमीन पर गिरने से क्षतिग्रस्त हो गए। जिससे बीती रात करीब 10 बजे से घरेलू व बोरवेलों की बिजली सप्लाई ठप पड़ी है। आठ फीडरों की लाइनें ब्रेक डाउन हो गई, जिससे पावर हाउस की 90 फीसदी सप्लाई बंद करनी पड़ी है। सूचना मिलने पर फीडर इंचार्जों ने कर्मचारियों की मदद से रिपेयर प्रक्रिया आरंभ कर दी। सुबह आठ बजे नुकसान की गणना करके उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया। जिसके आधार पर करीब 11 बजे उपमंडल कार्यालय में पोल व ट्रांसफार्मर की सप्लाई पहुंची है।

तूफानी रात बनी आफत, अटेली क्षेत्र के गांवों में बिजली गुल

मंडी अटेली। बीती रात्रि आई तेज आंधी और बारिश ने अटेली क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को पूरी तरह ठप कर दिया। तेज हवाओं के चलते करीब 50 बिजली के पोल उखड़ गए, वहीं कई जगहों पर पेड़ भी टूटकर गिर गए, जिससे शहर और आसपास के गांवों में पूरी रात्रि बिजली आपूर्ति बाधित रही और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। आंधी के दौरान कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली लाइनों को भारी नुकसान पहुंचा। खेतों और कुओं से जुड़े बिजली कनेक्शन विशेष रूप से प्रभावित हुए, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गांवों में टीनशेड और छप्पर भी उड़ते नजर आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। बिजली गुल रहने से लोगों को न सिर्फ अंधेरे में रात बितानी पड़ी, बल्कि पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित रही। सोमवार सुबह होते ही बिजली विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। क्षतिग्रस्त पोल बदलने और लाइनों को दुरुस्त करने का काम तेजी से जारी है। बिजली विभाग के एसडीओ दीपक यादव ने बताया कि आंधी के कारण करीब 50 पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं जिससे विभाग को लगभग आठ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह बिजली आपूर्ति बहाल करने में करीब दो सप्ताह का समय लग सकता है।

महेंद्रगढ़। समस्याओं की सुनवाई करते एसडीएम योगेश सैनी। फोटो : हरिभूमि

समस्या का समय पर निपटान करना प्राथमिकता : एसडीएम

शिविर में एसडीएम ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

■ समाधान शिविर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का सशक्त माध्यम

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा जनसेवा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का सशक्त माध्यम है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समय पर निपटान हो इसके लिए समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है।

एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में आए लोगों की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में आए नागरिकों ने एसडीएम के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा। समाधान शिविर में जल आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा, इंतकाल, नगर परिषद से संबंधित और राजस्व मामलों से जुड़ी समस्याएं सामने आई। इनमें से कई समस्याओं की मौके पर ही कार्रवाई शुरू करते हुए नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया।

प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को लगाते हैं शिविर

एसडीएम योगेश सैनी ने बताया कि जनता व प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करते हुए लोगों की समस्याओं का निवारण व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवाने के लिए जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को एक स्थान पर उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निवारण किया जा सके।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर तहसीलदार अजय कुमार, नगर पालिका एमई राजेश, मत्स्य अधिकारी सोमदत्त शर्मा, एसडीएम कार्यालय से कविराज, ब्रह्मानंद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नारनौल। आमजन की शिकायतें सुनती डीसी अनुपमा अंजलि। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में डीसी ने सुनीं शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

लघु सचिवालय में आयोजित शिविर के दौरान उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने 73 नागरिकों की समस्याओं को विस्तार से सुना। इस दौरान पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। डीसी ने कहा कि यह मंच नागरिकों की शिकायतों को एक ही छत के नीचे और बेहद कम समय में सुलझाने का एक सशक्त माध्यम बन गया है।

उन्होंने बताया कि प्रशासन का मुख्य लक्ष्य शिकायतों का त्वरित निस्तारण करना है। यदि कोई मामला ऐसा होता है जिसका समाधान मुख्यालय स्तर पर होना है, तो उसके लिए भी जिला अधिकारी लगातार उच्च अधिकारियों के संपर्क में रहते हैं, ताकि किसी भी काम में अनावश्यक देरी न हो। मुख्यमंत्री न केवल अधिकारियों से रिपोर्ट लेते हैं, बल्कि आम जनता से भी फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर नागरिक की शिकायत पर निष्पक्ष और जल्द कार्रवाई हो रही है। इस मौके पर डीएमसी रणवीर सिंह, नगराधीश डॉ. मंगल सेन के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

भाजपा की प्रचंड जीत पर बांटे लड्डू

नारनौल। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से नगर पार्षद एवं प्रदेश आईटी सहप्रमुख सिकन्दर कुमार के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में भाजपा की प्रचंड जीत पर मिश्रवाड़ा में लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। इस अवसर पर सिकंदर कुमार ने कहा कि आज सोनार बांग्ला ने भय, भ्रष्टाचार व अन्याय की बेड़ियों को काटकर विकास और सुशासन के नए सूर्य का स्वागत किया है। इस मौके पर युवा मोर्चा जिला सचिव राजेश सैनी, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष धीरज सोनी, मंडल सचिव नीरज सोनी, हजारीलाल सोनी, बल्ली सैनी, बल्ली सोनी, गजेंद्र बोहरा, कालू सोनी, राकेश शर्मा, तुलसीराम सोनी, प्रदीप शर्मा, हरेंद्र सैनी खेतड़ी, अमित सोनी, संदीप लखेरा, मनीष सोनी, ललित सोनी, बबली सोनी, ईशु सोनी, गोलू सोनी आदि मौजूद थे।

नींबू के तेवर तीखे, 240 रुपये किलो पहुंचे दाम

मंडी अटेली। गर्मी के शुरुआती दौर में ही नींबू के दामों ने आम लोगों को चौंका दिया है। सामान्य तौर पर 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम बिकने वाला नींबू अब सीधे 240 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। इस अचानक आई तेजी ने जहां बाजार में हलचल मचा दी है, वहीं आम आदमी की रसोई का बजट भी बिगाड़ दिया है। लोग शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए नींबू पानी, शिकंजी और अन्य पेय पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं। ऐसे में नींबू की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। अटेली में शिकंजी बेचने वाले दुकानदारों पर भी इसका सीधा असर पड़ा है। जहां पहले कम कीमत में लोगों को ठंडा पेय उपलब्ध कराया जाता था वहीं अब लागत बढ़ने के कारण दाम बढ़ाने पड़े हैं।

नीडी हेल्प ग्रुप ने शादी का सामान भेंट किया

नारनौल। शहर की अग्रणी एवं सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम गरीब सुकन्या विवाह समारोह का आयोजन सालासर मेडिकल स्टोर नियर नागरिक अस्पताल पर किया गया। इस मुहिम के अंतर्गत एक बेटी का कन्यादान किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एडवोकेट नितिन चौधरी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने की। कार्यक्रम संयोजक मोहित नासा व सुनील गोयल थे। इस अवसर पर नितिन चौधरी ने कहा कि जहां आज कल लोगों के पास अपने परिवार के लिए समय नहीं है। वही मनीष गोगिया के नेतृत्व में संस्था के साथी अंजान परिवार के लिए समय व सहयोग कर रहे है। जिसके लिए सभी बढ़ाई के पात्र है।

नपा कर्मचारियों की हड़ताल जारी

कनीना। नगर पालिका सफाई कर्मचारियों की हड़ताल सोमवार को भी जारी रही। इस बारे में प्रधान अनिल कुमार ने बताया कि कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर नगर पालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बताया कि नगरपालिका में 21 कर्मचारी अस्थाई रूप से कार्य कर रहे हैं, जबकि उन्हें नियमित करने के लिए अदालत का फैसला आ चुका है। कर्मचारियों के काम छोड़ हड़ताल पर रहने से शहर की सफाई व्यवस्था चरमराने लगी है। कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले लंबे समय से कच्चे कर्मचारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन की ओर से उनकी लगातार अनदेखी की जा रही है। कर्मचारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है।

फोटोग्राफर अजय के निधन पर परिवार को दी आर्थिक सहायता

नारनौल। फोटोग्राफी जगत के लिए दुखद घटना में सिरसा के फोटोग्राफर अजय अभोली का एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। बताया जा रहा है कि अजय अभोली एक शादी समारोह की फोटोग्राफी कर रहे थे, इसी दौरान कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना पर विभिन्न शहरों की फोटोग्राफर यूनियनों ने एकजुटता दिखाते हुए शोक व्यक्त किया और परिवार की आर्थिक सहायता के लिए आगे आए। नारनौल से फोटोग्राफर यूनियन के प्रधान संजीव बिल्लू, तरुण कलर लैब, पटौदी से प्रदीप, नवीन, मोहित, सिरसा से प्रधान अमर खत्री, राजेन्द्र नागपाल, बबलू मेहता, सफल सतिया व कुलविंदर भवदीन की मौजूदगी में अजय अभोली के परिवार को एक लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

डीसी ने ली जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, 10 दिन में बंद होंगे अवैध कट

30 दिन में 274 ओवरलोड वाहनों पर 1.98 करोड़ जुर्माना ठोका

हरिभूमि न्यूज नारनौल

हरियाणा सरकार के सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सोमवार को लघु सचिवालय में उपायुक्त अनुपमा अंजलि की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति और सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इस बैठक में डीसी ने सबसे पहले महावीर चौक से लहरोदा बाईपास तक अवैध कटों को दो सप्ताह के अंदर अंदर बंद करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने 152 डी एक्सप्रेसवे के साइड में बने अवैध ढाबों को भी तुरंत प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा जिला प्रशासन तथा सरकार का प्रथम दायित्व है। सभी एसडीएम अपने अपने क्षेत्र में स्कूल बसों व कोचिंग की लगातार चेकिंग करेंगे। जिन बसों में छात्राएं हैं, वहां पर महिला कंडक्टर की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जाए। डीसी ने बताया कि जिले में एम्बुलेंस का औसत रिस्पांस टाइम अब मात्र सात मिनट 44 सेकेंड है, यह बहुत ही बेहतरीन है। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से एक महीने में आठ हजार लोगों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण देना एक बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव, महेंद्रगढ़ एसडीएम योगेश सैनी, नांगल चौधरी एसडीएम उदय सिंह, कनीना एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी आदि मौजूद थे।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेती डीसी अनुपमा अंजलि। फोटो : हरिभूमि

कार्ययोजना की साझा

सचिव आरटीए मनोज कुमार ने बैठक में एजेंडा रखते हुए अब तक हुई प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे, जिन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करवाने और अवैध कटों को बंद करने के संबंध में पुलिस विभाग की कार्ययोजना साझा की। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि पुलिस और परिवहन विभाग मिलकर ओवरलोडिंग पर लगाम लगाएं, ताकि हादसों को पूरी तरह रोका जा सके। इस पर सचिव आरटीए ने बताया कि अप्रैल माह में 274 ओवरलोड वाहनों पर लगभग 1.98 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है।